Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, MAY-JUNE, 2019, VOL- 6/51

प्रधानमंत्रीकौशल विकास योजना के बेरोजगारी उन्मूल के प्रति अभिमत : जनपद फिरोजाबाद के सन्दर्भ में

PRADHANMANTRI KAUSHLYA VIKAS YOJANA KE BEROJGARI UNMOOL KE PRATI ABHIMAT : JANPAD FIROZABAD KE SANDERBH MAIN

योगेश यादव

(शोध छात्र– वाणिज्य) जे0 एस0 विश्वविद्यलय; शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)

E-mail:- yogeshyadavfzd0001@gmail.com

Abstract

*बेरोजगारी की समस्या को हल करने अथवा कम करने के लिये भारत सरकार ने सम्पूर्ण राष्ट्र में शिक्षित बेरोजगारी उन्मूलन हेतु **“प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना”** का शुभारम्भ एवं क्रियान्वयन 15 जुलाई 2015 से, अन्तर्राष्ट्री युवा कौशल दिवस पर कौशल विकास एंव उद्यमता मंत्रालय के माध्यम से किया गया। वर्ष 2018 में एमएसडीई ने प्रधान मंत्री कौशल केन्द्र , पीएमके के अन्तर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए उद्योग मानकीकृत बुनियादी ढांचों के निर्माण के लिए बडे पैमाने पर ध्यान केन्द्रित किया।*

पारिभाषिक शब्दावली: *बेरोजगारी, रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, उद्यम, उद्यमिता।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

शोध पद्धति : शोध की प्रकृति एवं अध्ययन के उद्देश्यों की दृष्टि से व्याख्यात्मक शोध अभिकल्प को चुना गया है। उद्देश्य पूर्ति हेतु 200 निदर्शितों का चयन फिरोजाबाद जनपद (उ0 प्र0) से किया गया है।

उद्देश्यः प्रस्तुत शोध कार्य का मूल उद्देश्य **“प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना”** के अन्तर्गत संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं सार्थकता का परीक्षण करना है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

परिकल्पनाः

(1) प्रधानमंत्री कौशल विकास विकास योजना के तहत लाभान्वित परिवार आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी हुए हैं।

(2) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना शिक्षित बेरोजगार युवाओं को योजनान्तर्गत प्रशिक्षित एवं अभिप्रेरित करने में सफल साबित हुई है।

(3) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना; आर्थिक भ्रष्टाचार रहित एकमात्र योजना है।

विश्लेषणः प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना शिक्षित बेरोजगारों के लिए लाभकारी ही नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना राष्ट्र निर्माण में एवं युवाओं के राष्ट्रीय विकास में योगदान को बढ़ाने में भी सहायक है।निम्न तालिका (1) इस सम्बन्ध में निदर्शितों के अभिमतों पर प्रकाश डालती है –

तालिका (1) : ‘‘क्या प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना; शिक्षित बेरोजगारी के उन्मूलन एवं स्वावलम्बन में योजना सहायक है?’’ –सूचनादाताओं के अभिमत (गटमैन के द्विआयामी मनोवृत्ति मापक के आधार पर)

तालिका (1)

क्रमांक	**शिक्षित बेरोजगारी की समस्या पर प्रभाव**	**आवृत्तियाँ**	**प्रतिशत**
1	शिक्षित बेरोजगारी के उन्मूलन एवं स्वावलम्बन में योजना सहायक है। **(हाँ)**	168	84.00
2	शिक्षित बेरोजगारी के उन्मूलन एवं स्वावलम्बन में योजना सहायक नहीं है। **(नहीं)**	32	16.00
	योग	200	100.00

प्रस्तुत तालिका के विश्लेषण से स्पष्ट है कि प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षित कुल 200 लाभार्थियों में से 168 (84.00 प्रतिशत) लाभार्थियों ने स्वीकार किया है कि यह योजना **‘‘शिक्षित बेरोजगारों की समस्या’’** के समाधान में सहायक है; जब कि मात्र 32(16.00 प्रतिशत) लाभान्वितों के अभिमत नकारात्मक रह हैं। **इन आनुभविक**

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तथ्यों से स्पष्ट है कि ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना शिक्षित बेरोजगारी के उन्मूलन एवं स्वावलम्बन में सहायक है।''

तालिका (2) : ''क्या प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना निर्धनता–उन्मूलन एवं आर्थिक स्वावलम्बन में भी सहायक है ?'' सूचनादाताओं के अभिमत –

तालिका (2)

क्रमांक	**सूचनादाताओं के अभिमत**	**आवृत्तियाँ**	**प्रतिशत**
1	हाँ	162	81.00
2	नहीं	16	08.00
3	उदासीन अभिमत	22	11.00
	योग	200	100.00

निम्न तालिका (3) की साँख्यकीय गणना करने पर χ^2 (Chi-Square value) , **0.782** प्राप्त होता है; जो कि स्वातंत्र्य कोटि–2 एवं पी0 मान (p-value)–5 प्रतिशत (0.05) के लिये χ^2 के निर्धारित मान 5.991से अत्यन्त कम है। अतः **परिकल्पना को भी निरस्त नहीं किया जा सकता है।** उपरोक्त परिकल्पना के सत्यापन के लिये तालिका के प्राथमिक तथ्यों को भी दृष्टिगत रखा गया है। **परिकल्पना** सत्य एवं सार्थक पायी गई है।

तालिका (3)

	लिंग	**हाँ**	**नहीं**	**योग(χ^2)**
F_0	पुरुष	89	11	0.391
F_e		86	14	
$F_0 - F_e$		03	2	
$(F_0 - F_e)^2/F_e$		0.105	0.286	
F_0	महिला	83	17	0.391
F_e		86	14	
$F_0 - F_e$		03	2	
$(F_0 - F_e)^2/F_e$		0.105	0.286	
		(Chi-Square value) χ^2	स्वातंत्र्य कोटि – 2 पी0 मान – 5 प्रतिशत (0.05) के लिये निर्धारित χ^2 मान 5.991	0.782

<u>**निष्कर्षः**</u> इन समस्त प्राथमिक तथ्यों के आलोक में प्राप्त निष्कर्ष निम्नवत है–

(1) **'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना'** निर्धनता की सीमारेखान्तर्गत जीवनयापन करने वाले निर्बल वर्गों के सामाजिक–आर्थिक विकास में सहायक है।

(2) **'कौशल विकास योजना'**, अतिरिक्त रोजगार के साधन सृजित करने वाले निर्धन परिवार; दैनिक आय में वृद्धि हो जाने के कारण ''निर्धनता की सीमारेखा'' पार करने में सक्षम हुए हैं। ऐसा होने से उनमें आत्म विश्वास जागा है। इस प्रकार यह योजना निर्बल वर्गों के विकासोन्मुख रचनात्मक भूमिका निभा रही है।

(3) राष्ट्रीयकृत बैंकों के योगदान से, योजनान्तर्गत ऋण लाभांश (अनुदान तथा किस्तों में) प्रदान करके निर्धन परिवारों में लघु व कुटीर उद्योग धन्धों को स्वरोजगार के रूप में स्थापित करने एवं विकास हेतु संसाधन सुलभ कराने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

(4) यह योजना, ग्रामीण निर्धनता व बेरोजगारी उन्मूलन में सहायक सिद्ध हो रही है।

(5) राष्ट्रीयकृत बैंकों ने रोजगारों की स्थापनाओं के लिए बिना प्रत्याभूति के, ऋण अनुदान पर प्रदान करके निर्धनता की सीमारेखा के नीचे जीवन जी रहे लोगों में स्वर्ण जयन्ती स्वरोजगार योजना के प्रति जागरूकता एवं रूझान पैदा किया है इसलिए सहभागिता में वृद्धि हो रही है।

(6) इस योजना का ''समूहगत दृष्टिकोण'' लघु तथा कुटीर उद्योग धन्धों सम्बन्धी उद्यमों की स्थापनाओं एवं रोजगार के अतिरिक्त संसाधनों के सृजन में सहायक व सकारात्मक भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

(7) **'प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना'** के सुचारू संचालन तथा क्रियान्वयन में वित्तीय तथा प्रशिक्षण संस्थाएं (बैंकें व ट्रेनिंग पार्टनर्स) सहयोगी भूमिकाएं निभा रहे हैं।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

संदर्भ

महापात्र इन्द्रभूषण (1989) ; भारत के शिक्षित युवा चौराहे पर, 'राष्ट्रीय सहारा' समाचार पत्र, दिल्ली प्रकाशन, 30 जुलाई 1989

हुसैन रूद्दत्त (2000) ; नौकरी नहीं काम ढूँढना होगा, हस्तक्षेप डैस्क (पत्रिका) जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी दिल्ली, 30 सितम्बर 2000, पृष्ठ 6

Bhattacharya A.P. (1993) ; Unemployment : Some Policy Issues, Himalaya Publications, Bombay, p. 14.

योगेश अटल(1992) ; शिक्षित बेरोजगारी की समस्या, 'सामाजिक विमर्श' राष्ट्रीय शोध पत्रिका, मराठवाड़ा वि0वि0, पृष्ठ 47

(2002) ; 'भारत', भारत सरकार नई दिल्ली, 2002, पृष्ठांकन–358–359

Lavania M.M. (1990) ; Contemporary Indian Social Problems, College Book Depot (Raj.) Jaipur, p. 206.

Hassim S.R. (2003) ; Educated Unemployment in India, Jyoti Publications (Pvt. Ltd.), Andheri West, Bombay, p. 63.

त्रिपाठी ए. के. (2003) ;युवा वर्ग में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या 'अनुसंधानिका' शोध पत्रिका, गाजियाबाद, पृष्ठ 132

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies